# अधिसूचना

बचपन आकांक्षाओं एवं अभिक्षमताओं को विकसित करने तथा साथ ही शोषण एवं दुर्व्यवहार किए जाने के प्रति आरक्षिता का भी समय है।

इसके लिए हम बच्चे की विशिष्ट विकासात्मक आवश्यकताओं को पहचानें तथा उनके लिए सहयोगी वातावरण का निर्माण करें। शिक्षक, माता पिता और संबंधित बड़ों को किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार से बच्चों को सुरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए। अपने दायित्वों के दायरे में नीति, अधिनियम व अनुभवों से निर्देशित हम ऐसे कदम उठाएँ जिनसे बच्चों को अच्छे से अच्छा उपलब्ध हो सके। इस संबंध में हमें इन बच्चों को उचित आयु पर उपर्युक्त जानकारी से सुसज्जित करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, यह दृढ़ता से महसूस करता है कि इन बच्चों को जोड़ा जाए और उन्हें उनकी सुरक्षा और सशक्त अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में जानने की जिम्मेदारी दी जाए ताकि वे स्वयं-सशक्त होकर स्वयं की तथा अन्य बच्चों की भी रक्षा कर सकें।

इसी सन्दर्भ में **के.मा.शि.बो. केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण कमीशन (KeSCPCR)** द्वारा साझा की गई "बच्चों के लिए एक शोषण रहित विश्व के निर्माण हेतु प्रतिज्ञा" पुन: जारी करना चाहता है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध सभी विद्यालयों को यह सलाह दी जाती है कि विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए इस प्रतिज्ञा को विद्यालयों की विशेष सभाओं में दिलाया जाऐ  तथा साथ ही इसकी पुनरावृत्ति कक्षा सभाओं में पूरे वर्ष तक की जाए।

**हस्ताक्षरित/-**

**डॉ. साधना पाराशर**
**निदेशक (शैक्षणिक/ अनुसंधान /प्रशिक्षण एवं नवाचार)**

Protect and Save the children

## प्रतिज्ञा

*मुझे भारतीय होने पर गर्व है। मेरे देश की महान सभ्यता एवं संस्कृति हमेशा मुझे प्रभावित करती है और मार्गदर्शन देती है।*

*भारतीय संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकारों एवं बाल अधिकारों का संज्ञान होना मेरा कर्तव्य है।*

*आत्म सम्मान तथा गरिमा के साथ जीवन जीना मेरा मौलिक अधिकार है।*

*मैं अपने तथा अन्य सभी  बच्चों के विरुद्ध किसी भी प्रकार के शोषण युक्त अपमानजनक गतिविधियों/व्यवहार, चाहे वे कहीं भी हो, को सहन नहीं करूंगी/करूंगा।*

*मैं इस तरह की गतिविधियों को मुझसे सबंन्धित व्यक्तियों जैसे-माता-पिता, अधिकारियों तथा पुलिस को रिपोर्ट करने के लिए सबसे आगे रहूँगा।*

*यह मेरा प्रमुख कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व है।*

*शोषण मुक्त बचपन और विश्व का निर्माण मेरे भविष्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है।*

*मैं सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि सदैव इसकी रक्षा एवं समर्थन के लिए खड़ा रहूँगा/खड़ी रहूँगी।*

***जय हिन्द।***